श्री रोहित ठाकुर (जुब्बल–कोटखाई) द्वारा नियम–324 के तहत उठाये गये प्रश्न का उद्धरणः–

''मैं सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं कि पिछले 6 महीनों से किसान–बागवान विशेषकर पोटाश और NPK 12:32:16 खाद की भारी कमी से जूझ रहें हैं वही अब आएं दिन सरकार ने खाद के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि कर ली हैं। पिछले वर्ष पोटाश की कीमत ₹ 850 रूपए 50 किलो प्रति बोरी थी अब छह महीनें बाद 2022 में पोटाश की कीमत बढ़कर ₹ 1700 रूपए हो गई हैं। इसी प्रकार NPK 12–32–16 की कीमत ₹ 1185 रूपए थी उसकी कीमत ₹ 1450 हो गई हैं। खाद की भारी कमी व अप्रत्याशित मूल्यवृद्धि के बाद समाचार पत्रों के माध्यम से आजकल अप्रमाणित खाद बागवान को उपलब्ध करवाने की बातें सामने आ रही हैं जो कि चिंता का विषय हैं। अतः मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि किसानों–बागवानों को मांग अनुरूप खाद उपलब्ध करवाने, खादों की मूल्यवृद्धि वापस लेने और अप्रमाणित खाद बारें सरकार क्या कार्रवाई अमल में लाई है या लाने जा रही है।''

विभागीय उत्तरः–

वर्तमान में प्रदेश में यूरिया, MoP (Muriate of Potash), SSP (Single Super Phosphate), NPK (15:15:15) की कोई कमी नहीं है। गत माह में MoP और NPK (12:32:16) की कमी थी। MoP और NPK (12:32:16) की आपूर्ति में आयात सम्बन्धी दिक्कतों के कारण समस्या आ रही है और यह कमी पूरे देश में है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में आये बदलावों के कारण MoP के दामों में बढ़ोतरी भी हुई है। यह दाम 1050 रुपये प्रति 50 किलो बैग से बढ़ कर 1700 रुपये प्रति 50 किलो बैग पहुंच गये हैं। इनकी आपूर्ति अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में आये व्यवधान के

कारण समय समय पर बाधित हो रही है। परन्तु NPK 12:32:16 के स्थान पर NPK 15:15:15 की आपूर्ति की व्यवस्था की जा रही है।

देश मे कैल्शियम नाइट्रेट की आपूर्ति में भी आयात समस्याओं के कारण कमी आई है। वर्तमान में निजि कम्पनियों के माध्यम से 1595 रुपये प्रति 50 किलो बैग की दर से कैल्शियम नाइट्रेट उपलब्ध करवाई जा रही है। गुजरात स्टेट केमिकल और फर्टिलाइजर लिमिटिड द्वारा 1300 रुपये प्रति 50 किलो बैग के लिये HIMFED द्वारा करार किया गया है लेकिन उन्होंने अभी इसकी आपूर्ति करने में असमर्थता प्रकट की है।

यूरिया खाद एक नियंत्रित खाद है, जिसका मूल्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है जो कि पूरे भारत वर्ष में एक समान है। जबकि फॉसफेटिक व पौटाशिक तत्वों वाली खादों का मूल्य खाद निर्माताओं द्वारा भारत सरकार के तत्व आधारित अनुदान के आधार पर किया जाता है। इन पर प्रदेश सरकार का नियंत्रण नहीं रहता है। सिंगल सुपर फासफेट व कैल्शियम नाईट्रेट का मूल्य हिमफेड द्वारा निविदा के आधार पर किया जाता है।

पिछले 6 महीनों का खादों का बैग वार मूल्य का विस्तृत ब्यौरा निम्न है:–

क्र. सं.	खाद का नाम	सितम्बर 2021	अकतूबर 2021	नवम्बर 2021	दिसम्बर 2021	जनवरी 2022	फरवरी 2022
1	यूरिया	266.50	266.50	266.50	266.50	266.50	266.50
2	एन.पी.के 12:32:16	1185.00	1185.00	1450.00	1450.00	1450.00 / 1470.00 (आयातित खाद)	1450.00 / 1470.00 (आयातित खाद)
3	एन.पी.के 15:15:15	1180.00	1180.00	1350.00	1350.00	1400	1500.00
5	मयूरिट ऑफ पोटाश 60%	850.00	1040.00	1040.00	1040.00	1040.00	1700.00
6	सिंगल सुपर फॉस्फेट 16%	558.00	558.00	558.00	558.00	558.00	558.00
7	कैल्शियम नाईट्रेट	1040.00	1040.00	1300.00	1300.00	1300.00	1595.00

हिमाचल प्रदेश में रासायनिक खादों की सालाना खपत 1,25,000–135000 मिट्रिक टन होती हैं। जिसमे लगभग 50000–60000 मिट्रिक टन खरीफ के दौरान और लगभग 75,000 मिट्रिक टन रबी के दौरान होती है।

क्र.सं	खाद का नाम	2021–2022	
		अनुमानित मांग' (मी.टन) (अप्रैल 2021 से मार्च 2022)	आपूर्ति (मी.टन) (अप्रैल 2021 से 04.03.2022)
1	यूरिया	70000–80000	67863
2	एन.पी.के 12:32:16	25000–30000	21129
3	एन.पी.के 15:15:15	7000–8000	9328
4	मयूरिट ऑफ पोटाश	7500–8500	7352
5	सिंगल सुपर फॉस्फेट	3500–4000	3736
6	कैल्शियम नाईट्रेट	2500–3000	1455

खाद वितरण प्रणाली सहकारी नेटवर्क के तहत है और खाद की आपूर्ति सहकारी समितियों और अधिकृत डिपू धारकों के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। राज्य सरकार ने खाद वितरण का काम हिमफेड और IFFCO को सौंपा है।

कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए खाद एक महत्वपूर्ण इनपुट है। राज्य में खाद पोषक तत्वों की वर्तमान औसत खपत लगभग 64.8 कि0 ग्रा0 प्रति है0 है, जबकि राष्ट्रीय औसत खपत 161 कि0 ग्रा0 प्रति है0 है। हमारे पड़ोसी राज्य जैसे पंजाब में यह औसत 225 कि0 ग्रा0 प्रति है0 और हरियाणा में 224 कि0 ग्रा0 प्रति है0 है ।

हिमफैड द्वारा अपने डिपूओं में केवल प्रमाणित खाद ही बेची जाती है। पोटाश के लिये HIMFED, Potash derived from molasses बेच रहा है। यह खाद Fertilizer Control Order (FCO) 1985 के अन्तर्गत पोटाशिक उर्वरक में प्रमाणित है व इसमें

14.5 प्रतिशत पोटाश पाया जाता है। इसकी गुणवत्ता की जांच हिमफेड ने हिसार की प्रयोगशाला से करवाई है और इस के उपरान्त ही हिमफैड इसे अपने गोदामों में बेच रहा है।

उपराक्त में केवल NPK(12:32:16) की आपूर्ति में कमी रहने की सम्भावना है परन्तु इसके स्थान पर NPK(15:15:15) उपलब्ध करवाई जा रही है ताकि किसानों को कोई वास्तविक कमी नहीं रहे। NPK(15:15:15) की आपूर्ति से फासफोरस की कमी Single Super Phosphate (SSP) के माध्यम से पूरा किया जा सकता है। SSP की बाजार में पर्याप्त उपलब्धता है। सभी खादों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाने के प्रयास निरन्तर किये जा रहे हैं।